निगरानी

ग्रामीण विकास मंत्रालय देश भर के ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यान्वित होने वाले अपने कार्यक्रमों की निगरानी और मूल्यांकन पर विशेष बल देता है । विशेष रूप से 8 वीं पंचवर्षीय योजना के प्रारंभ से लेकर अब तक ग्रामीण विकास कार्यक्रमों हेतु निधियों के आबंटन में पर्याप्त वृद्धि को देखते हुए बुनियादी स्तर पर कुशल सुर्पुदगी के लिए कार्यक्रम की प्रभावी निगरानी आवश्यक समझी जाती है । इसे सुनिश्चित करने के लिए मंत्रालय ने अपने कार्यक्रमों के कार्यान्वयन की निगरानी और मूल्यांकन की एक व्यापक प्रणाली विकसित की है । जिला, प्रखंड, ग्राम पंचायत और ग्राम स्तरों पर कार्यक्रम की प्रभावी निगरानी के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय और राज्य सरकारों दोनों द्वारा प्रत्येक विशिष्ट कार्यक्रम के लिए उपयुक्त निष्पादन सूचकांक बनाए गए हैं जिससे मध्यावधि सुधार हेतु अग्रिम चेतावनी संकेत प्राप्त किए जा सकें ।

विभिन्न ग्रामीण विकास योजनाओं, विशेषकर मजदूरी रोजगार, स्व—रोजगार तथा काफी हद तक ग्रामीण अवसंरचना/सुविधा योजनाओं के कार्यान्वयन के परिणामस्वरूप ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी में कमी आई है । सरकार ने ग्रामीण विकास की प्रत्येक योजना के दिशानिर्देशों में अंतर्निर्मित निगरानी तंत्र स्थापित किया है ताकि योजना के कार्यान्वयन के जरिए उसके उद्देश्य को प्राप्त करना सुनिश्चित किया जा सके ।